भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2079 ● मासिक पत्र : फरवरी 2023 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा आयोजित वनभोज 9.0

नई दिल्ली। दिल्ली की लोकप्रिय संस्था भिवानी परिवार मैत्री संघ ने गणतंत्र दिवस के अवसर भव्य वनभोज, राष्ट्रयज्ञ, स्थापना दिवस, मेगा मेडिकल कैंप, रक्तदान शिविर और झंडारोहण समारोह का आयोजन किया। झंडारोहण के पूर्व कार्यक्रम में समारोह के यजमानों द्वारा राष्ट्र यज्ञ समारोह सम्पन्न हुआ जिसमे कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री नवल किशोर गोयल, मुख्य यजमान श्री बृजलाल सर्राफ एवं अन्य यजमान श्री प्रमोद गुप्ता, श्री हंसराज रल्हन, श्री संजय जैन, श्री नरेश मित्तल, श्री लीला कृष्ण रल्हन, श्री राजेश सी एल गुप्ता एवं श्री दीपक गोयल मुख्य रूप से उपस्थित थे।

यजमानों द्वारा मिलट्री बैंड की धुन पर युद्ध स्मारक की अनुकृति पर पुष्पचक्र द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित कर हमारे देश के शहीदों को याद किया। ये समारोह इस बार भिवानी की सामाजिक संस्थाओं को समर्पित था। संस्था के पदाधिकारियों ने मंच पर भिवानी से पधारी संस्था जामपुर सेवा समिति, लाइफ सेवर ट्रस्ट, नंदीशाला सेवादल, पंजाबी जागृति मंच, अलख गौशाला एवं सांस्कृतिक मंच को स्मृति चिन्ह एवं फूलों का गुलदस्ता भेंट कर अभिवादन किया।

संस्था के पूर्व उपप्रधान कृष्ण कुमार गुप्ता की स्मृति में रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली मिडटाउन की टीम सुरेश गुप्ता के सौजन्य से एवं एस्कॉर्ट हॉस्पिटल के डॉ. सुमन भंडारी और डॉ. कौशल कांत मिश्रा की टीम द्वारा मेडिकल चेकअप का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों की हृदय चिकित्सा, मेमोग्राफी शुगर जाँच, डेंटल केयर जाँच की गई। समारोह में रक्तदान शिविर द्वारा रक्तदाताओं ने खूब बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इसी अवसर पर भिवानी से संबंध रखने वाले नगर निगम चुनावों में नवनिर्वाचित पार्षद एवं बीजेपी की मेयर पद की उम्मीदवार श्रीमती रेखा गुप्ता, श्रीमती ऋतु गोयल, श्रीमती शिखा भारद्वाज, सुश्री स्मिता कौशिक, श्रीमती पूनम शर्मा एवं श्री धर्मवीर शर्मा का भी नागरिक अभिनंदन किया गया।

समारोह में पधारे लोगों ने पारिवारिक खेल, अंताक्षरी, तंबोला सहित विभिन्न खेलों एवं व्यंजनों का लुफ्त उठाया।

भिवानी परिवार ने उपस्थित जनों से कम से कम प्लास्टिक इस्तेमाल करने की अपील की तथा अन्न का महत्व बताते हुए भोजन व्यर्थ ना करने की भी अपील की। सदस्यों द्वारा अपने विवाह योग्य बच्चों के लिए संस्था की विवाह समिति के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करवाया। इस अवसर पर पुराने वस्त्र पिकनिक स्थल पर एकत्रित किये गए जिसे गूंज के माध्यम से सुदूर क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

देहदान समिति के संयोजक श्री एन.आर. जैन के प्रयासों से लोगों ने देहदान का संकल्प भी लिया। इस समारोह में श्री प्रमोद शर्मा और संस्था के प्रधान श्री राजेश चेतन ने मंच संचालन के साथ साथ लोगों को खूब हँसाया। समारोह को सफल बनाने में संस्था के महासचिव दिनेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्री संजय जैन, श्री अरविन्द गर्ग, श्री सांवरमल गोयल, श्री पंकज गुप्ता, श्री सुशील गनोत्रा, श्री गोबिंद राम बंसल, श्री मनीष गोयल, श्री विनय सिंघल, श्रीमती मीनाक्षी गर्ग, श्रीमती पूजा बंसल, श्री गौरव अग्रवाल, श्री संजय गोयल, श्री सुनील बंसल, श्री सुखदर्शन सिंह, श्री सचिन शालीन, का विशेष योगदान रहा, अंत में इस अद्भुत समारोह के संयोजक श्री पवन मोड़ा ने सबका धन्यवाद किया और कार्यक्रम का समापन किया।

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा आयोजित वनभोज 9.0

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक

सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

प्लॉट-1, पॉकेट 8ए, बैंक ऑफ बड़ौदा के ऊपर, सैक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली-89

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री अजय वर्मा
(संरक्षक)
3 फरवरी

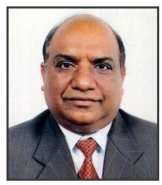

भिवानी गौरव
डॉ. आर.के. चौहान
5 फरवरी

भिवानी गौरव
श्री श्याम सुंदर
5 फरवरी

श्री अमित अग्रवाल
(संरक्षक)
6 फरवरी

श्री राजेश गोयल
(संरक्षक)
6 फरवरी

श्री ओम प्रकाश गोयल
(संरक्षक)
8 फरवरी

श्री कृष्ण गुप्ता
(संरक्षक)
10 फरवरी

भिवानी गौरव
श्री विष्णु भगवान
10 फरवरी

श्री विपिन कुमार बंसल
(संरक्षक)
13 फरवरी

श्री शशी भूषण शुक्ला
(संरक्षक)
14 फरवरी

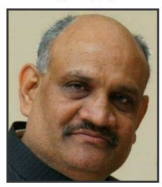

श्री विनोद गोयल
(संरक्षक)
15 फरवरी

श्री पुरुषोत्तम गर्ग
(संरक्षक)
16 फरवरी

भिवानी गौरव
श्री संपूर्ण बागड़ी
17 फरवरी

श्री नमित जैन
(संरक्षक)
26 फरवरी

श्री कुनाल गोयल
(संरक्षक)
26 फरवरी

भिवानी गौरव
श्री जे.बी.एस. यादव
28 फरवरी

श्री मोहन बगड़िया
(संरक्षक)
29 फरवरी

सम्पादकीय

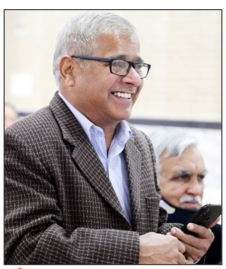

श्री जगत नारायण भारद्वाज
9416376123

भिवानी का प्राचीन क्षेत्र धार्मिक स्थल है। इस इलाके का जीवनदायिनी डोभी तालाब पहले एक पवित्र स्थान होता था। इसके चारों ओर मंदिरों और कुंए जनजीवन के लिए प्राण थे। भिवानी नगर देव बाबा लोहडवीर से सटा हुआ एक मंदिर गीताभवन के रूप में प्रसिद्ध है। यह चाहे इतना प्राचीन बेशक न हो परन्तु इसकी प्रसिद्धि नायाब है। गीताभवन नाम से सत्संग भवन हरियाणा के कई स्थानों में है। इसके प्रेरक महामंडलेश्वर गणेशानंद जी हुए हैं। भिवानी के गीता भवन के निर्माण में श्रीमती गिंदोडी देवी का नाम बड़ी श्रद्धा से लिया जाता है। आपका जन्म महिलाओं में धर्मप्रचार के लिए ही हुआ। पूज्य महामंडलेश्वर गणेशानंद जी, जिन्होंने अनेक स्थानों पर गीताभवन, विद्यालयों व गौशालाओं के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया, के संपर्क में आप 1960 में आई। भिवानी के गीताभवन के निर्माण में आपका अविस्मरणीय योगदान है। आप स्थापना के समय से ही उसकी संचालिका रही हैं। आप परम धार्मिक दयावती व भक्ति भाव की प्रतिमूर्ति थी। सनातन परिवार से जैन परिवार में चले जाने के बाद भी आपने दोनों की उपासना पद्धतियों में साम्य व संतुलन बनाए रखा। आप त्याग की प्रतिमूर्ति थी। आपने अपनी देवरानी का वंश चलाने के लिए अपने सुपुत्र श्री मोतीराम को उन्हे गोद दे दिया।

आपके वंशजों के लिए पूज्य महामंडलेश्वर गणेशानंद जी आज भी आराध्य है। आपके द्वारा दिए गए संस्कारों के कारण आपके पौत्र श्री सुशील गुप्ता, श्री संजय गुप्ता तथा श्री अजय गुप्ता अपने व्यवसाय के साथ साथ सामाजिक कार्यों में भी संलग्न रहते हैं।

यह कहना सत्य ही होगा कि श्रीमती गिंदोड़ी देवी चिरकाल तक लोगों के हृदय में अपना विशिष्ट स्थान बनाए रखेगी।

स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

स्व. श्री अमीर चन्द कंसल
9 जनवरी

स्व. श्रीमती कौशल्या देवी
10 जनवरी

स्व. श्रीमती गीता देवी
15 जनवरी

स्व. श्री सुंदर लाल कौशिक
16 जनवरी

मेरी कलम से

देश भक्ति के गीत-संगीत

सुश्री मंजीत मरवाहा

'चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूंथा जाऊँ।
चाह नहीं, प्रेमी-माला में, बिंध प्यारी को ललचाऊँ।
मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ पर देना तुम फेंक ।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जावें वीर अनेक॥

अपने युग के महान कवि पद्मभूषण की उपाधि से अलंकृत पं. माखन लाल चतुर्वेदी की यह रचना उनके काव्य 'पुष्प की अभिलाषा' से है । फूल की मनुहार में उन्होंने एक कुसुम के द्वारा अपनी संवेदनाओं को प्रकट किया है। इससे प्रत्यक्ष संकेत मिलता है कि वे राष्ट्र-प्रेमी व्यक्ति थे। अनेक कवियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कविताओं में अपने राष्ट्र-प्रेम की अभिव्यक्ति की है। देश प्रेम और देश के लिए कुछ करने का जज्बा हर नागरिक में होता है। ऐसी ओजपूर्ण कविताएँ देश के प्रति समर्पण और प्रेम दर्शाती हैं। देशवासियों के अन्दर राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार कराती हैं।

साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर कवि रामधारी सिंह दिनकर की कलम से वीर सेनानियों के लिए अर्पित एक कविता-

जाग रहे हम वीर जवान, जियो जियो अब हिन्दुस्तान !
हम प्रभात की नई किरण हैं, हम दिन के आलोक नवल
हम नवीन भारत के सैनिक, धीर, वीर, गंभीर अचल!!

वहीं राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त की कविता आज भी देश के प्रति स्वाभिमान जगाने के लिए काफी है। उनके राष्ट्रवाद की भावना इस कविता में झलकती है।

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं।
वह हृदय नहीं है पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं !!

हिन्दी सिनेमा में देशभक्ति पर अनेकों फिल्में बनाई गई। देशभक्ति के जज्बे से भरे हुए गीत लिखे गए जिन्हें सुनकर लोगों में जोश भर जाता है और आँखें नम हो जाती है। इन देशभक्ति के फिल्मी गीतों ने लोकप्रियता अर्जित की है। इन राष्ट्र-प्रेम से सराबोर गीतों को लोग सुनते और गाते हैं। तब दिलों में देशभक्ति भर जाती है।

लता मंगेश्वर का गाया गीत- **'ए मेरे वतन के लोगों' आज भी लोगों की आंखें नम कर देता है। जब उन्होंने यह देशभक्ति का गीत पंडित जवाहरलाल नेहरू के सामने गाया तो वे भी अपने आंसू रोक नहीं पाए ।**

फिल्म आनन्द मठ में गाया गीत-

'वन्दे मातरम, सुजलां सुफलां मलयज शीतलाम, शस्य श्यामलां मातरम'

इसे बंकिम चंद्र चैटर्जी ने लिखा था और लता मंगेश्वर ने आवाज दी थी। स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रप्रेमियों के आंदोलन का यह एक मंत्र बन गया था।

फिल्म 'सिकन्दर-ए-आज़म' का गीत-

'जहां डाल डाल पर सोने की चिड़ियां, करती है बसेरा, वो भारत देश है मेरा'

मोहम्मद रफी ने राजेन्द्र कृष्ण द्वारा रचित इस गीत को गाकर अमर कर दिया। पुरानी फिल्मों से लेकर आज तक देशभक्ति के गाने वक्त-वक्त पर बनते रहे हैं।

आजकल की फिल्मों में भी जैसे की 'राज' फिल्म का गीत 'ए-वतन' को भी लोगों ने पसन्द किया ।

वीर जारा फिल्म में 'ऐसा देश है मेरा' वहीं 'उपकार' पिक्चर का गाना

'मेरे देश की धरती सोना उगले'

वहीं 'केसरी' फिल्म का गाना 'तेरी मिट्टी में मिल जावां' था।

अनगिनत देश भक्ति के गीत पुरानी और नई फिल्मों में बनते रहे हैं। विशेष रूप से 26 जनवरी को जिस दिन हमारे देश को संविधान मिला था, इन राष्ट्रगीतों की गूंज पूरे देश में गुंजायमान होती है। स्वतन्त्रता दिवस में भी लोग राष्ट्रप्रेम से सराबोर होते हैं और देशप्रेम के गीतों को सुनते हैं वहीं 26 जनवरी के उपलक्ष्य में विभिन्न कवि सम्मेलनों में भी कविगण अपनी कविताएं राष्ट्र को समर्पित करते हैं।

हिन्दी के प्रतिष्ठित साहित्यकार जयशंकर प्रसाद की लेखनी से देश प्रेम और राष्ट्र गौरव से जुड़ी कविता की पंक्तियाँ

'अरुण यह मधुमय देश हमारा, जहाँ पहुँच
अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा'

शहीद भगत सिंह पर बनी फिल्म 'शहीद' में 'मेरा रंग दे बसन्ती चोला' प्रेम धवन द्वारा लिखा गीत भी अत्यन्त लोकप्रिय हुआ। देश प्रेम का जज्बा लिए यह गीत जन-जन तक पहुंचा।

शहीद भगत सिंह खुद भी बहुत काबिल कवि थे। वो कहते है

'सीने में जुनूं, आंखों में देशभक्ति की चमक रखता हूँ
दुश्मन की सांसें थम जाएं, आवाज में वो खनक रखता हूँ।

देश का हर नागरिक देश प्रेम से ओतप्रोत यही जज्बा रखता है

'इस देश की हिफाज़त ही मेरा इमान है, मेरे वतन में बसती मेरी जान है।
भारत देश पर कुर्बान है मेरा सब कुछ, मेरा देश ही मेरी असली पहचान है'।।

चेतन वाणी

कवि राजेश चेतन

भारत का करके बंटवारा, अब ये भारत जोड़ेंगे
जिन्ना जीता नेहरू हारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

तीन सौ सत्तर धारा लाकर आग लगाई घाटी में
मोमिन ने पंडित को मारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

'हिंदी-चीनी भाई-भाई' नारे खूब लगाए थे
गँवा दिया फिर तिब्बत सारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

बाबर, अकबर, औरंगजेबों को करके महिमा मंडित
शिवा-प्रताप से किया किनारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

'भारत तेरे टुकड़े होंगे' जे.एन.यू. में नारे थे
गद्दारों को दिया सहारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

काश्मीर में पाकिस्तानी झंडा लेकर आए थे
पी.ओ.के. में चांद-सितारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

सरदारों का खून बहाया कांग्रेस के लोगों ने
घायल है मेरा गुरुद्वारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

मंदिर टूटे, बनी मस्जिदें लेकिन तुम खामोश रहे
कहाँ था तब ये भाईचारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

बीपीएमएस की सेवा समितियां

समिति	प्रभारी	चेयरमैन
मैट्रीमोनियल समिति	श्री राजेश चेतन	श्री सुनील बंसल
कैंसर केयर समिति	श्री दिनेश गुप्ता	श्रीमती मीनाक्षी गर्ग
वस्तु-वस्त्र समिति	श्री संजय जैन	श्री संजय गुप्ता
बिजनेस पाठशाला	श्री प्रमोद शर्मा	श्री सचिन मेहता
पर्यावरण समिति	श्री सुशील गनोत्रा	श्रीमती पूजा बंसल
अपना घर आश्रम समिति	श्री हंसराज रलहन	श्री सांवरमल गोयल
अंगदान-नेत्रदान समिति	श्री सुनील अग्रवाल	श्री एन आर जैन
शिक्षा समिति	श्री पवन मोडा	श्री संजय जैन
टुरिज़म समिति	श्री मनीष गोयल	श्री उमेश मित्तल
स्वास्थ्य समिति	श्री विनय सिंघल	श्री वरुण मित्तल

व्रत-त्योहार फरवरी 2023

शनिवार, 18 फरवरी 2023

महाशिवरात्रि